



Mr.

04 Sep 2025

06:45 AM

Tinsukia

Model: web-freekundliweb

Order No: 119439430

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 04/09/2025  
दिन \_\_\_\_\_: गुरुवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 06:45:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 04:40:03 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Tinsukia  
राज्य \_\_\_\_\_: Assam  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 27:28:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 95:20:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: 00:51:20 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 07:36:20 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: 00:00:57 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 06:30:01 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 04:52:58 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 17:25:46 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 12:32:48 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: दक्षिणायन  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: उत्तर  
ऋतु \_\_\_\_\_: शरद  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 17:34:04 सिंह  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 12:27:21 कन्या

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: कन्या - बुध  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: मकर - शनि  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: उत्तराषाढ़ा - 2  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: सूर्य  
योग \_\_\_\_\_: सौभाग्य  
करण \_\_\_\_\_: बव  
गण \_\_\_\_\_: मनुष्य  
योनि \_\_\_\_\_: नकुल  
नाड़ी \_\_\_\_\_: अन्त्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: वैश्य  
वश्य \_\_\_\_\_: जलचर  
वर्ग \_\_\_\_\_: मूषक  
युँजा \_\_\_\_\_: अन्त्य  
हंसक \_\_\_\_\_: भूमि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: भो-भोजराज  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: रजत - ताम्र  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: कन्या

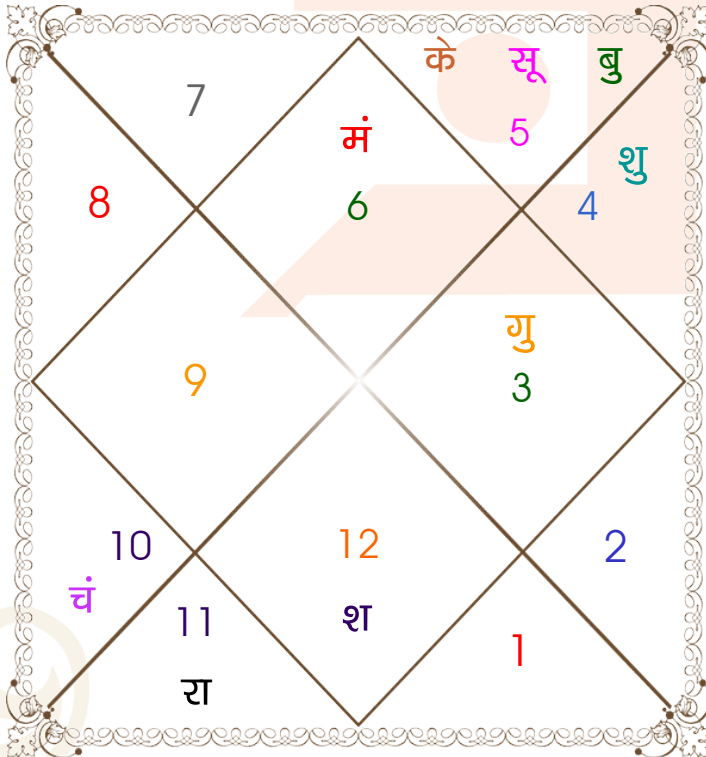
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह    | व | अ | राशि  | अंश      | गति       | नक्षत्र     | पद | नं. | रा    | न     | अं.  | स्थिति     |
|---------|---|---|-------|----------|-----------|-------------|----|-----|-------|-------|------|------------|
| लग्न    |   |   | कन्या | 12:27:21 | 320:42:17 | हस्त        | 1  | 13  | बुध   | चंद्र | राहु | ---        |
| सूर्य   |   |   | सिंह  | 17:34:04 | 00:58:07  | पू०फाल्गुनी | 2  | 11  | सूर्य | शुक्र | मंगल | मूलत्रिकोण |
| चंद्र   |   |   | मक    | 00:45:12 | 12:56:28  | उत्तराषाढ़ा | 2  | 21  | शनि   | सूर्य | राहु | सम राशि    |
| मंगल    |   |   | कन्या | 23:40:59 | 00:39:09  | चित्रा      | 1  | 14  | बुध   | मंगल  | मंगल | शत्रु राशि |
| बुध     |   | अ | सिंह  | 08:39:17 | 01:55:49  | मघा         | 3  | 10  | सूर्य | केतु  | गुरु | मित्र राशि |
| गुरु    |   |   | मिथु  | 24:11:47 | 00:10:30  | पुनर्वसु    | 2  | 7   | बुध   | गुरु  | बुध  | शत्रु राशि |
| शुक्र   |   |   | कर्क  | 17:00:44 | 01:12:15  | आश्लेषा     | 1  | 9   | चंद्र | बुध   | बुध  | शत्रु राशि |
| शनि     | व |   | मीन   | 05:35:30 | 00:04:18  | उ०भाद्रपद   | 1  | 26  | गुरु  | शनि   | बुध  | सम राशि    |
| राहु    | व |   | कुंभ  | 24:08:32 | 00:00:34  | पू०भाद्रपद  | 2  | 25  | शनि   | गुरु  | बुध  | मित्र राशि |
| केतु    | व |   | सिंह  | 24:08:32 | 00:00:34  | पू०फाल्गुनी | 4  | 11  | सूर्य | शुक्र | बुध  | शत्रु राशि |
| हर्ष    |   |   | वृष   | 07:14:42 | 00:00:07  | कृतिका      | 4  | 3   | शुक्र | सूर्य | केतु | ---        |
| नेप     | व |   | मीन   | 07:04:02 | 00:01:32  | उ०भाद्रपद   | 2  | 26  | गुरु  | शनि   | बुध  | ---        |
| प्लूटो  | व |   | मक    | 07:30:23 | 00:01:00  | उत्तराषाढ़ा | 4  | 21  | शनि   | सूर्य | केतु | ---        |
| दशम भाव |   |   | मिथु  | 12:40:29 | --        | आर्द्रा     | -- | 6   | बुध   | राहु  | बुध  | --         |

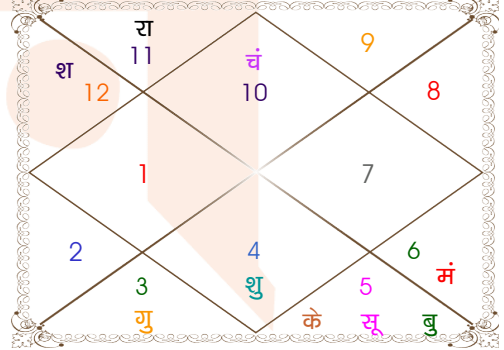
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:01

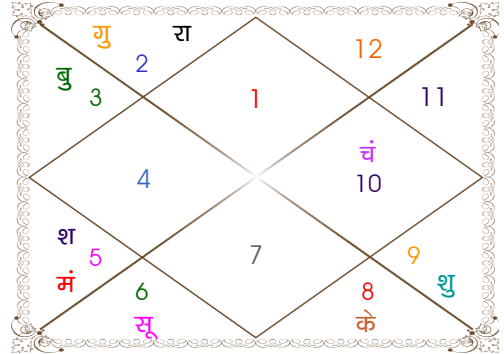
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



Padma astrology

Tinsukia, sadya, Ambikapur Dara Goan

PIN: 786158

9954311627

tinsinapadam489@gmail.com



## विंशोत्तरी दशा

**भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 1 मास 28 दिन**

| सूर्य 6 वर्ष     | चंद्र 10 वर्ष    | मंगल 7 वर्ष      | राहु 18 वर्ष     | गुरु 16 वर्ष     |
|------------------|------------------|------------------|------------------|------------------|
| 04/09/2025       | 02/11/2029       | 02/11/2039       | 02/11/2046       | 01/11/2064       |
| 02/11/2029       | 02/11/2039       | 02/11/2046       | 01/11/2064       | 01/11/2080       |
| 00/00/0000       | चंद्र 02/09/2030 | मंगल 30/03/2040  | राहु 15/07/2049  | गुरु 21/12/2066  |
| 00/00/0000       | मंगल 03/04/2031  | राहु 18/04/2041  | गुरु 09/12/2051  | शनि 03/07/2069   |
| 04/09/2025       | राहु 02/10/2032  | गुरु 25/03/2042  | शनि 15/10/2054   | बुध 09/10/2071   |
| राहु 20/11/2025  | गुरु 01/02/2034  | शनि 03/05/2043   | बुध 03/05/2057   | केतु 14/09/2072  |
| गुरु 08/09/2026  | शनि 02/09/2035   | बुध 30/04/2044   | केतु 21/05/2058  | शुक्र 16/05/2075 |
| शनि 21/08/2027   | बुध 01/02/2037   | केतु 26/09/2044  | शुक्र 21/05/2061 | सूर्य 03/03/2076 |
| बुध 26/06/2028   | केतु 02/09/2037  | शुक्र 26/11/2045 | सूर्य 15/04/2062 | चंद्र 03/07/2077 |
| केतु 01/11/2028  | शुक्र 03/05/2039 | सूर्य 03/04/2046 | चंद्र 15/10/2063 | मंगल 09/06/2078  |
| शुक्र 02/11/2029 | सूर्य 02/11/2039 | चंद्र 02/11/2046 | मंगल 01/11/2064  | राहु 01/11/2080  |
| शनि 19 वर्ष      | बुध 17 वर्ष      | केतु 7 वर्ष      | शुक्र 20 वर्ष    | सूर्य 6 वर्ष     |
| 01/11/2080       | 02/11/2099       | 02/11/2116       | 03/11/2123       | 03/11/2143       |
| 02/11/2099       | 02/11/2116       | 03/11/2123       | 03/11/2143       | 00/00/0000       |
| शनि 05/11/2083   | बुध 01/04/2102   | केतु 31/03/2117  | शुक्र 05/03/2127 | सूर्य 21/02/2144 |
| बुध 15/07/2086   | केतु 29/03/2103  | शुक्र 01/06/2118 | सूर्य 04/03/2128 | चंद्र 21/08/2144 |
| केतु 24/08/2087  | शुक्र 27/01/2106 | सूर्य 06/10/2118 | चंद्र 03/11/2129 | मंगल 27/12/2144  |
| शुक्र 24/10/2090 | सूर्य 03/12/2106 | चंद्र 08/05/2119 | मंगल 03/01/2131  | राहु 05/09/2145  |
| सूर्य 06/10/2091 | चंद्र 04/05/2108 | मंगल 04/10/2119  | राहु 02/01/2134  | 00/00/0000       |
| चंद्र 06/05/2093 | मंगल 01/05/2109  | राहु 21/10/2120  | गुरु 02/09/2136  | 00/00/0000       |
| मंगल 15/06/2094  | राहु 18/11/2111  | गुरु 27/09/2121  | शनि 03/11/2139   | 00/00/0000       |
| राहु 21/04/2097  | गुरु 23/02/2114  | शनि 06/11/2122   | बुध 03/09/2142   | 00/00/0000       |
| गुरु 02/11/2099  | शनि 02/11/2116   | बुध 03/11/2123   | केतु 03/11/2143  | 00/00/0000       |

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशों के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 1 मा 21 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रष्टाकाण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृत्ति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात् प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृत्ति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात् प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेंगे। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक बार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएंगे। अर्थात् सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निश्चित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत्त कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाएँ।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृत्ति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात् मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के हासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्णकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होंगे। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरुचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।

